भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2362
उत्तर देने की तारीख 4 अगस्त, 2025
13 श्रावण, 1947 (शक)

विकसित भारत विजन श्रृंखला

2362. श्री विनोद लखमशी चावड़ा:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विकसित भारत विज़न श्रृंखला शुरू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य का ब्यौरा क्या है,

(ख) उक्त श्रृंखला ने युवाओं पर अब तक क्या प्रभाव डाला है;

(ग) उक्त श्रृंखला के कुल कितने एपिसोड अब तक आयोजित / प्रदर्शित किए गए हैं; और

(घ) उक्त श्रृंखला युवा नेतृत्व को किस प्रकार बढ़ावा दे रही है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 'विकसित भारत विजन सीरीज' नाम से कोई कार्यक्रम कार्यान्वित नहीं किया गया है।

तथापि, मंत्रालय ने स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा महोत्सव के पुनर्गठित प्रारूप के रूप में 10 से 12 जनवरी, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 (वीबीवाईएलडी-2025) का आयोजन किया था। दिनांक 12 जनवरी, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में यह आयोजन विकसित भारत के लिए एक लाख युवाओं को राजनीति और नेतृत्व में शामिल करने के प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप था। युवा प्रतिभागियों ने विकसित भारत चैलेंज के दस विषयों पर अपना विजन प्रस्तुत किया, जो विकसित भारत@2047 के लक्ष्य के अनुरूप नवाचार और नेतृत्व को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा, मंत्रालय ने 18 से 20 जुलाई 2025 तक वाराणसी में "विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा" विषय पर तीन दिवसीय युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नशा-मुक्त भारत के लिए एक व्यापक, युवा-नेतृत्व वाली

राष्ट्रीय कार्यनीति विकसित करना था। इसमें 120 आध्यात्मिक संगठनों की युवा शाखाओं से लगभग 600 युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनकी आयु 25-40 वर्ष थी।

इस आयोजन में सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य और गृह मंत्रालय के विशेषज्ञों और नशा-मुक्ति के क्षेत्र में सक्रिय सांसदों के साथ विषयगत सत्र शामिल थे। नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे सार्वजनिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। शिखर सम्मेलन का समापन काशी संकल्प के विमोचन के साथ हुआ, जिसमें एक सहयोगात्मक ढांचे की रूपरेखा दी गई है:

- युवा-जनित अभियान, संस्थागत आउटरीच, बहु-हितधारक समन्वय
- रोकथाम, पुनर्वास और जागरूकता में आध्यात्मिक निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और मंत्रालयों की भागीदारी
- संयुक्त कार्य समूहों, सार्वजनिक रिपोर्टिंग और संरचित कार्य योजना के लिए तंत्र

*****